हिंदी प्रसून–2

1. प्रभो, ऐसा वर दो

❐ पाठ-बोध

1. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iv)

2. (क) असत्य (ख) ज्योतिर्मय (ग) मृत्यु (घ) शान्ति

3. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iv) (घ) (v) (ङ) (ii)

4. (क) बच्चे भगवान से सत्य के मार्ग पर चलने का वर माँग रहे हैं।

(ख) बच्चे भलाई के पथ पर चलकर मृत्यु पर विजय प्राप्त करना चाहते हैं।

(ग) बच्चे अज्ञानता के भय से मुक्ति पाना चाहते हैं।

(घ) सभी प्राणियों का जीवन मंगलमय हो।

❐ व्याकरण-बोध

5. निर्भय — भय पराजय — विजय

पुराना — नया दुख — सुख

6. आनंदमय — आनंद से भरा हुआ — आनंदयुक्त

सुखमय — सुख से भरा हुआ — सुखयुक्त

7. ज्योति, मृत्यु, शान्ति, मंगलमय

❐ योग्यता-विस्तार

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❐ जीवन-मूल्य

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❐

2. अपना भरोसा

❐ पाठ-बोध

1. (क) (i) (ख) (i) (ग) (iii)

2. (क) किया (ख) गया (ग) लगता है (घ) खुल गईं

3. (क) खरगोश के चार मित्र थे।

(ख) घोड़े ने खरगोश को उत्तर दिया कि मैं तुम्हें कुत्तों से नहीं बचा सकता क्योंकि मेरे सींग नहीं हैं।

(ग) गाय की बात सुनकर खरगोश को यह अनुभव हुआ कि वह उसे टाल रही है।
(घ) बकरी ने कुत्तो से स्वयं डरने के कारण खरगोश की सहायता से इनकार किया।

❒ व्याकरण-बोध

4. (i) रामू समझ गया कि उसका दोस्त उसकी मदद नहीं करेगा।
(ii) उसने इतनी मेहनत की कि उसे किसी की मदद की जरूरत ही नहीं रही।

5. (क) एक बार खरगोश **संकट** में पड़ गया।
(ख) सच्चा **मित्र** मुसीबत में साथ देता है।
(ग) **डरपोक** मत बनो।

6.

आँखें खुलना	—	सावधान हो जाना
आँख आना	—	आँख दुखना
आँख लगना	—	नींद आना
आँखें बिछाना	—	स्वागत की तैयारी करना
आँखें भर आना	—	आँसू आ जाना

7. (क) एक दिन कुत्तों ने खरगोश का पीछा किया।
(ख) खरगोश दुखी होकर गाय के पास गया।
(ग) मैं स्वयं कुत्तों से डरती हूँ।

❒ योग्यता-विस्तार

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒

3. जादू की छड़ी

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

2. (क) सचिन ने सभी बच्चों से (ख) सानिया ने सभी बच्चों से
(ग) ग्राम-प्रधान जी ने सभी बच्चों से

3. (क) कीचड़ (ख) योजना (ग) बच्चे, रास्ते (घ) पानी
(ङ) साफ-सुथरा।

4. (क) गाँव में जगह-जगह कीचड़ और गन्दगी होने के कारण गाँव के बच्चे दुखी थे।
(ख) बच्चों ने गाँव में से कीचड़ और गन्दगी को साफ करने की योजना बनाई।
(ग) ग्राम-प्रधान जी ने बच्चों से कहा—"बच्चो, आपने हमें रास्ता दिखाया है। हम सब मिलकर गाँव को सुंदर बनाएँगे। पेड़-पौधे भी लगाएँगे।

(घ) हम भी गाँव या कॉलोनी में ऐसी परेशानी को हल करने की एक योजना बनाएँगे और हम सब मिलकर उस परेशानी का निवारण करेंगे।

❒ व्याकरण-बोध

5.

ई		ऊ	
कीचड़	गन्दगी	जादू	स्कूल
परी	छड़ी	दूर	खूब
	सभी		
थी	भी, दी		
करती	की, अच्छी		

6. (क) परी — परियाँ (ख) कली — कलियाँ
(ग) छड़ी — छड़ियाँ (घ) नाली — नालियाँ
(ङ) तख्ती — तख्तियाँ (च) गली — गलियाँ

7. (क) स्कूल, रास्ता, कीचड़ (ख) पानी, नाली
(ग) गाँव (घ) पेड़-पौधे

❒ योग्यता-विस्तार

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

9. 'पर्यावरण दिवस' प्रत्येक वर्ष 5 जून को विश्व-भर के लोगों को जागरूक करने हेतु वृक्षारोपण करके मनाया जाता है।

❒ जीवन-मूल्य

10. विद्यार्थी स्वयं करें। ❑

4. साहसी बालिका

❒ पाठ-बोध

1. (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (ii) (ङ) (iv)

2. (क) सूरज (ख) गठरी (ग) धुला (घ) डुबकियाँ (ङ) बाँहों

3. (क) दादी कपड़े धोने खदान पर जा रही थीं।
(ख) जिस्मी केरल राज्य के पेरिनचेरी, जिला त्रिशूर की रहने वाली थी।
(ग) बच्चों की माँ स्वयं को और अपने दोनों बच्चों को डूबता देख 'बचाओ, बचाओ' चिल्लाने लगी।
(घ) दोनों बच्चों को डूबने से जिस्मी ने बचाया।

❒ व्याकरण-बोध

4. छलाँग, मुँह, चाँद, दंग, हंस, चंद

5. विद्यार्थी स्वयं करें।

6. केरल राज्य के पेरिनचेरी, जिला त्रिशूर में रहने वाली जिस्मी पी एम तेरह साल की है। दादी माँ के हर काम में वह उनके साथ रहती है। दादी माँ ने धुला कपड़ा जिम्मी को पकड़ाया। कहा—"जा इसे सूखने डाल आ।"

❒ योग्यता-विस्तार

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

10. विद्यार्थी स्वयं करें। ❑

5. राखी

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (ii)

2. (क) दोनों बहनें, अच्छे-अच्छे

(ख) लिए मिठाई, लो, मुँह मीठा

3. (क) राखी के त्योहार पर बहनें सज-धजकर, थाली सजाकर उसमें मिठाइयाँ लेकर भाई को राखी बाँधती हैं।

(ख) राखी के दिन भाई बहनों से राखी बँधवाते हैं, मुँह मीठा करते हैं और बहनों को गले लगाकर सुन्दर उपहार भेंट करते हैं और उनकी रक्षा का आश्वासन देते हैं।

(ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

(घ) राखी के त्योहार को मनाने की पीछे कई पौराणिक एवं ऐतिहासिक कहानियाँ हैं, जिनमें से एक यह भी है कि रानी कर्णवती ने मुगल सम्राट हुमायूँ को एक रक्षा-सूत्र भेजा था। इसे पाकर हुमायूँ ने रानी की रक्षा करने का वचन दिया था। तब से चली आ रही परम्परा को लेकर बहनें भाइयों की रक्षा हेतु भगवान से कामना करती हैं तथा भाई बहनों की रक्षा के लिए आश्वासन देते हैं।

4. तैयार, मिठाई, आस, बँधवाता, उपहार

❒ व्याकरण-बोध

5. सुंदर-सुंदर, सजी-सजाई, सजी-धजी, अच्छे-अच्छे

6.

बहुवचन	एकवचन
मिठाइयाँ	मिठाई
थालियाँ	थाली

टीके	टीका
भाइयों	भाई
राखियाँ	राखी

❒ योग्यता-विस्तार

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒

6. सत्य की जीत

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iv) (घ) (iii)

2. (क) शोभा ने जगन सेठ से (ख) जगन सेठ ने न्यायाधीश से
(ग) न्यायाधीश ने शोभा से (घ) न्यायाधीश ने जगन सेठ से

3. (क) आभारी (ख) जानता (ग) महिला, पेड़ (घ) धरोहर

4. (क) शोभा ने सेठ जी को अपनी धरोहर (दो हजार रुपए और गहने) सौंपी।
(ख) शोभा तीर्थयात्रा पर गई थी।
(ग) जब शोभा अपनी धरोहर वापस लेने आई, तो सेठ जी ने कहा कि कैसी धरोहर? किसकी धरोहर? किसे दी थी?
(घ) न्यायाधीश ने शोभा की धरोहर के विषय में यह फैसला सुनाया कि महिला के पेड़ की टहनी लेकर वापस आने से पहले उसकी धरोहर सेठ को न्यायालय में लानी होगी, नहीं तो कठोर दण्ड दिया जाएगा।
(ङ) हमेशा सत्य की जीत होती है।

❒ व्याकरण-बोध

5.

(क) न्यायधीश	न्यायाधीश ✓	(ख) तीर्थयात्रा ✓	त्रीथयात्रा		
(ग) मुकरना ✓	मुकुरना	(घ) आभारी ✓	अभारी		
(ङ) पुँजी	पूँजी ✓	(च) निरास	निराश ✓		

6. (क) एक महिला दरवाजा (खटखटाती) है।
(ख) मैं कुछ दिनों के लिए तीर्थयात्रा पर (जा रही हूँ।)
(ग) तुम चिन्ता मत (करो।)
(घ) मुझ गरीब को मत (लूटिए।)

7. (क) सच — झूठ (ख) बाहर — अन्दर
(ग) गरीब — अमीर (घ) बेईमानी — ईमानदारी
(ङ) दूर — पास (च) पुरस्कार — दंड

❒ योग्यता-विस्तार

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

10. विद्यार्थी स्वयं करें। ❑

7. बुद्धि का बल

❒ पाठ-बोध

1. (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (i)

2. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓

3. (क) नर कौए ने मादा कौए से (ख) सियार ने कौए से
(ग) मादा कौए ने नर कौए से

4. (क) कौए का घोंसला नदी के किनारे बरगद के एक पेड़ पर था।
(ख) कौए के बच्चों को साँप खा गया था।
(ग) बच्चों को घोंसले में न देखकर दोनों कौए बहुत दुखी हुए।
(घ) कौए ने अपने मित्र की सलाह पर बुद्धिबल से नदी में नहाने आई रानी का हार उठाकर साँप के बिल में डालकर साँप जैसे खतरनाक शत्रु से छुटकारा पाया।

❒ व्याकरण-बोध

5. कौआ, खोखली, दुष्ट, घोंसला, खून, नहाने

6. ऊँट, साँप, बाँसुरी, गाँव
जाएँगे, यहाँ, पहुँच, छाँव

7. (क) ऊँट (ख) गाय (ग) बैल (घ) चूहा।

8. कक्षा, रक्षक; ज्ञाता, ज्ञानी; त्रिशूल; तांत्रिक।

❒ योग्यता-विस्तार

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

8. दिल्ली आना

❒ पाठ-बोध

1. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (i)

2. (क) यह पत्र श्वेता ने अपनी सखी पीहू को लिखा है।

(ख) नई दिल्ली भारत की राजधानी है।

(ग) नई दिल्ली का सबसे प्रसिद्ध बाजार 'कनाट प्लेस' है।

(घ) मुगल गार्डन दिल्ली का एक पर्यटन स्थल है, जो राष्ट्रपति भवन में स्थित है।

(ङ) पुरानी दिल्ली के दो दर्शनीय स्थलों के नाम हैं—जामा मस्जिद और लालकिला तथा नई दिल्ली के दो दर्शनीय स्थलों के नाम हैं—संसद भवन और मुगल गार्डन।

❒ व्याकरण-बोध

3.

संज्ञा शब्द	**सर्वनाम शब्द**
लाल किला मैदान, दशहरा इंतजार, आयोजन, रवि, प्यार, चाचाजी, चाचीजी, चरण-स्पर्श।	यहाँ, मैं, तुम्हारे, मेरा।

4. दो — दुगुना चार — चौगुना

तीन — तिगुना पाँच — पाँचगुना

5. (क) चाचा का **विवाह** हो गया।

(ख) सच कहूँ, बड़ा **आनंद** आया।

(ग) **वास्तव** में दिल्ली सुंदर है।

(घ) इसका **पुराना** नाम इंद्रप्रस्थ था।

(ड) दिल्ली में अनेक दर्शनीय **स्थान** है।

❒ योगता-विस्तार

6. विद्यार्थी स्वयं करें।

7. विद्यार्थी स्वयं करें। ❑

9. लालच का फल

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (iii)

2. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

3. (क) संन्यासी के वेश में बिल्ली आई।
(ख) पुण्य कमाई करने बिल्ली मौसी निकली।
(ग) बिल्ली चूहे को ज्ञान का पाठ पढ़ाना और मीठे स्वर में भजन सुनाना चाहती थी।
(घ) मिठाई देखकर चूहे का मन ललचाया।
(ङ) मौसी ने चूहे का भोग लगाया।

❐ व्याकरण-बोध

4. (क) अँगूठा दिखाना—साफ इनकार करना—अपने मित्र से आज पहली बार सहायता माँगी पर उसने मुझे अँगूठा दिखा दिया।
(ख) भीगी बिल्ली बनना—भयभीत हो जाना—पुलिस को देखकर चोर भीगी बिल्ली बन गया।

5. (क) **मिसिरी** का स्वाद मीठा होता है
(ख) **संन्यासी** मंदिर में पूजा कर रहा है।
(ग) चालबाज लोगों की **घात** से बचकर रहना चाहिए।
(घ) शेर के पिंजरे में घुसते ही **झट** दरवाजा बंद हो गया।

6. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iv) (घ) (ii)

❐ योग्यता-विस्तार

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

❐ जीवन-मूल्य

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❐

10. सफेद हंस

❐ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (iv) (ग) (iii) (घ) (iii)
2. (क) (iv) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (iii)
3. (क) रामदास आलसी होने के कारण दरिद्र बनता जा रहा था।
(ख) रामदास अपने सब काम नौकरों पर छोड़ देता था।
(ग) श्यामलाल ने रामदास की भलाई के लिए यह कहा कि सब पक्षियों के जागने से पहले ही मानसरोवर पर रहने वाले सफेद हंस के जो दर्शन कर लेता है, उसको कभी किसी बात की कमी नहीं रहती।
(घ) रामदास ने खलिहान में देखा कि एक आदमी उसके गेहूँ अपने ढेर में डालने की कोशिश कर रहा है। उसने गोशाला में देखा कि वहाँ का रखवाला दूध दुहकर अपनी स्त्री को दे रहा है।

❒ व्याकरण-बोध

4. (क) खलिहान (ख) दरिद्रता (ग) मानसरोवर (घ) परिश्रम

5. (क) गाय — गायें (ख) भैंस — भैंसें
(ग) बकरी — बकरियाँ (घ) भेड़ — भेड़ें
(ङ) कुत्ता — कुत्ते (च) चरवाहा — चरवाहे

6. **किसान** अपने खेतों में कड़ी मेहनत करते हैं।
विपत्ति आने पर मैं बहुत घबरा जाता हूँ।
काफी दिनों से वर्षा न होने के कारण खेत–**खलिहान** सूख गए।
गोशाला के लिए दान देना पुण्य का काम है।

❒ योग्यता-विस्तार

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

9. विद्यार्थी स्वयं करें। ❑

11. घर का वैद्य

❒ पाठ-बोध

1. (क) (iv) (ख) (iii)

2. (क) अमूल्य (ख) मस्तिष्क (ग) जगत् (घ) उपयोगी

3. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓

4. (क) स्वस्थ मस्तिष्क स्वस्थ शरीर में ही निवास करता है।
(ख) ईश्वर ने हमारे उपयोग के लिए पूरा फलता–फूलता जगत बनाया है।
(ग) तुलसी के पौधे का हमारे जीवन में विशेष महत्त्व है। धार्मिक दृष्टि से इसकी बड़ी श्रद्धा के साथ पूजा की जाती है और औषधीय दृष्टि से बुखार, कफ, अस्थमा, हृदय रोग जैसी विभिन्न बीमारियों में यह हमें लाभ पहुँचाता है। साथ ही यह हमारे वातावरण को भी शुद्ध करता है।
(घ) लोगों ने तुलसी को 'तुलसीमाता' की संज्ञा प्रदान की है।
(ङ) घर का वैद्य तुलसी के पौधे को बताया गया है। क्योंकि यह हमारे लिए विशेष रूप से उपयोगी पौधा है।

❒ व्याकरण-बोध

5. (क) पौधा (ख) घरों (ग) कीटाणुओं (घ) पत्तों

6. (क) संसार — जगत् (ख) ताकत — शक्ति
(ग) पूजनीय — श्रद्धेय (घ) डॉक्टर — वैद्य

7. (क) डॉक्टर (ख) वार्षिक (ग) वैज्ञानिक (घ) पूजनीय (ङ) पौराणिक

❒ योग्यता-विस्तार

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

नीम का वृक्ष, पत्ता औषधि के रूप में
निबोरी औषधि के रूप में
छाल औषधि के रूप में
लकड़ी ईंधन के रूप में

❒ जीवन-मूल्य

9. विद्यार्थी स्वयं करें। ❑

12. माँ का प्यार

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iv)

2. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✓

3. (क) तेंदुए (ख) बछड़े (ग) पड़ोसी (घ) जंगल (ङ) माँ

4. (क) तेंदुआ रात के समय गाँव में आकर प्राय: बछड़ों और कुत्तों को ले जाता था। इस तरह वह भयंकर उत्पात करता था।

(ख) तेंदुआ बिना सींगों वाले पशुओं का शिकार किया करता था।

(ग) गाय ने अपने बछड़े को छीनने के लिए रस्सी तुड़ाकर तेंदुए का पीछा किया और तब तक उसका मुकाबला किया जब तक गाँव के लोग वहाँ न पहुँच गए।

(घ) तेंदुआ लोगों द्वारा लाठियों से मार-पीटकर भगाया गया।

❒ व्याकरण-बोध

5. (क) नगर (ख) बैल (ग) औरत (घ) पिता

6. गाय ने तेंदुए को सींगों से मारा।
आदमी ने पड़ोसी को पुकारा।
माँ का प्यार पशु-पक्षियों से भी पाया जाता है।

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ योग्यता-विस्तार

8. माँ की ममता जग से न्यारी!
अगर कभी मैं रूठ गया तो,
माँ ने बहुत स्नेह से सींचा।
कितनी बड़ी शरारत पर भी,
जिसने कान कभी न खींचा।

उसके मधुर स्नेह से महकी,
मेरे जीवन की फुलवारी।
माँ की ममता जग से न्यारी!

❒ जीवन-मूल्य

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒

13. देश बड़ा बन जाएगा

❒ पाठ-बोध

1. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (i)

2. (क) **नन्हा बीज** यदि बो दें हम,
वृक्ष वही **बन जाएगा**।

(ख) छोटा-सा एक **दीप जला दें**,
तो अंधकार **मिट जाएगा**।

(ग) मधुर **बोल यदि** बोलें तो,
अपनापन बढ़ जाएगा।

(घ) **बूँद-बूँद** घट में डालें तो,
घड़ा वही **भर जाएगा**।

3. (क) (v) (ख) (iv) (ग) (i) (घ) (iii) (ङ) (ii)

4. (क) बीज बोने पर वह वृक्ष बन जाता है।

(ख) अच्छे-सच्चे काम करने से देश बड़ा बन जाता है।

(ग) महल ईंट-पर-ईंट धरने से बनता है।

(घ) मधुर बोलो का दूसरों पर यह असर होता है कि उनमें अपनापन बढ़ जाता है।

❒ व्याकरण-बोध

5. हट जाएगा उड़ जाएगा बन जाएगा

6.

(क) नन्ना		नन्हा	✓	(घ) वृक्ष	✓	व्रक्ष	
(ख) ईट		ईंट	✓	(ङ) लक्श		लक्ष्य	✓
(ग) घड़ा	✓	घडा		(च) बुँद		बूँद	✓

7. (क) पराया अपना (ख) प्रकाश अंधकार
(ग) छोटा बड़ा (घ) मित्र शत्रु

❒ योग्यता-विस्तार

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

11. विद्यार्थी स्वयं करें।

12. विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

14. सच्चा सुख

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iv) (घ) (ii)

2. (क) धन है (ख) बोझ है।
(ग) घर है (घ) सादा हो, हल्का हो और पौष्टिक हो

3. (क) बाजार की चाट-पकौड़ी इसलिए नहीं खानी चाहिए, क्योंकि इन्हें तैयार करने में साफ-सफाई का बिल्कुल ध्यान नहीं दिया जाता है। इन्हें खाना बीमारी को दावत देना है।
(ख) सादा और हल्का भोजन पौष्टिक होता है, जल्दी पच जाता है। इससे शरीर में खून बनता है और ताकत आती है।
(ग) परिश्रम न करने वाला व्यक्ति दुखी है।

❒ व्याकरण-बोध

4. (क) स्वस्थ-तंदुरुस्त (ख) उत्साह-जोश
(ग) सहायता-मदद (घ) नित्य-हमेशा
(ङ) स्वास्थ्य-सेहत

5. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (i) (घ) (v) (ङ) (ii)

6. (क) अरनव धनी परिवार का बेटा है।
(ख) उसका बस्ता नौकर के पास है।
(ग) स्वस्थ व्यक्ति ही परिश्रम कर सकता है।
(घ) सादा और हल्का भोजन जल्दी पच जाता है।

❒ योग्यता-विस्तार

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

15. ईमानदारी

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (ii)

2. (क) गेंद, खुश (ख) हैरान (ग) अशरफी।

3. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

4. (क) भोपाल मध्य प्रदेश का प्रमुख नगर है।

(ख) दीनदयाल सक्सेना जी को उनकी ईमानदारी और सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक दिया गया था।

(ग) बच्चे ने अशरफी से गेंद खरीदी।

(घ) बुजुर्ग दुकानदार ईमानदार था।

(ङ) बुजुर्ग दुकानदार बालक के पीछे-पीछे उसकी अशरफी लौटाने आया।

❒ व्याकरण-बोध

5. (क) अधिकारी (ख) ईमानदार (ग) धनवान (घ) राष्ट्रपति

6. अप्रसन्न, अज्ञान, अधर्म, अशिक्षा

7. संज्ञा शब्द—भोपाल, गेंद, इनाम, दादाजी, बालक, दुकानदार

❒ योग्यता-विस्तार

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

16. कब आऊँ?

❒ पाठ-बोध

1. (क) (iv) (ख) (iv) (ग) (iii)

2. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✓

3. (क) देवेश ने रँगाई की दुकान इसलिए खोली थी, क्योंकि उसे रंगों से बहुत प्यार था।

(ख) लोग देवेश की प्रशंसा इसलिए करते थे, क्योंकि वह अच्छा काम करता था।

(ग) देवेश की प्रशंसा सुनकर गाँव का सेठ उससे ईर्ष्या करने लगा था।

(घ) सेठ जी देवेश की दुकान पर उसे परेशान करने के इरादे से गए थे।

(ङ) देवेश ने सेठ जी से सोमवार, मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार शनिवार और रविवार को छोड़कर किसी भी दिन आने को कहा था।

❒ व्याकरण-बोध

4. (क) सुन–सुनवाई (ख) चढ़–चढ़ाई

(ग) बुन–बुनाई (घ) धुन–धुनाई

5. (क) सकर्मक क्रिया (ख) अकर्मक क्रिया

(ग) अकर्मक क्रिया (घ) सकर्मक क्रिया

6. (क) की (ख) से (ग) में (घ) ने

❒ योग्यता-विस्तार

7. जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई, जून, जुलाई, अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर, नवम्बर, दिसम्बर

8. सेठ जी देवेश की दुकान पर जाने का साहस इसलिए नहीं कर सके क्योंकि सेठ जी को पता चल गया था कि देवेश जान गया है कि वे उसे परेशान करना चाहते हैं।

❒ जीवन-मूल्य

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒

हिंदी व्याकरण–2

1. भाषा और व्याकरण

(क) 1. भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम बोलकर या लिखकर अपने विचारों या भावों को दूसरों तक पहुँचाते हैं और सुनकर या पढ़कर दूसरों के भाव ग्रहण करते हैं।
2. भाषा के दो रूप हैं—मौखिक व लिखित।
3. ध्वनि-चिह्नों को लिखने की विधि **लिपि** कहलाती है।
4. व्याकरण वह शास्त्र है जिससे किसी भाषा को शुद्ध रूप में बोलने व लिखने का ज्ञान प्राप्त होता है।

(ख) मौखिक, लिखित, मौखिक, लिखित

(ग) हिंदी, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, रूसी, उर्दू

(घ) जर्मन, अंग्रेजी, रूसी, चीनी

❑

2. वर्ण-विचार

(क) 1. जिस मूल ध्वनि के टुकड़े न किए जा सकें, उसे वर्ण या अक्षर कहते हैं। वर्ण के दो भेद हैं—स्वर और व्यंजन।
2. जिन वर्णों को बोलते समय किसी अन्य वर्ण की सहायता नहीं लेनी पड़ती है, उन्हें स्वर कहते हैं।
3. जो वर्ण स्वर—ध्वनि की सहायता से बोले जाते हैं, उन्हें **व्यंजन** कहते हैं।

(ख) **अंत:स्थ व्यंजन**—य र ल व **ऊष्म व्यंजन**—श ष स ह
अयोगवाह—अं अ: **संयुक्त व्यंजन**—क्ष त्र ज्ञ श्र

(ग) पंखा, पाँव, कंगन, आँख, अंडा, पंजा, पाँच, साँप, माँद, बंदर

(घ) **कमल**—क् + अ + म् + अ + ल् + अ
धागा—ध् + आ + ग् + आ
मैया—म् + ऐ + य् + आ

❑

3. शब्द-विचार

1. दो या दो से अधिक वर्णों के मेल से बने सार्थक वर्ण-समूह को शब्द कहते हैं।
2. अर्थ की दृष्टि से शब्द के दो भेद हैं—
(i) सार्थक शब्द (ii) निरर्थक शब्द

3. वाक्य में प्रयोग करते समय कुछ शब्दों के रूप में परिवर्तन आ जाता है। ऐसे शब्दों को विकारी शब्द कहते हैं। जैसे—**लड़का** खेलता है। **लड़के** को चाय दो।
4. जिन शब्दों में किसी भी कारण से रूप परिवर्तन नहीं हो पाता, उन्हें अविकारी शब्द कहते हैं। जैसे—वह **आज** आएगी।
वे **आज** आएँगी।

(ख) तोता, फूल, समोसा, गुलाब

(ग) कान खटमल, अनार, कबूतर, सूरज, आगरा

(घ) 1. सार्थक 2. निरर्थक
3. लड़का-लड़के, लड़की-लड़कियाँ 4. जब, जहाँ, जैसे, जितना

❑

4. संज्ञा

(क) 1. किसी प्राणी, व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को **संज्ञा** कहते हैं।
2. जिस शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध होता है, उसे **व्यक्तिवाचक संज्ञा** कहते हैं; जैसे—यमुना, कुतुबमीनार, श्रीकृष्ण।
3. जिस शब्द से उसकी संपूर्ण जाति का बोध होता है, उसे **जातिवाचक संज्ञा** कहते हैं; जैसे—गाय, मोर, फूल।
4. जिस शब्द से किसी प्राणी या वस्तु के भाव, दशा या स्थिति का पता चले, उसे **भाववाचक संज्ञा** कहते हैं; जैसे—सुंदरता, बुढ़ापा, प्रसन्नता।

(ख) 1. नमन 2. छत, बंदर 3. बुढ़ापा 4. सेवक 5. हिरण, घास

(ग) गरीबी, लंबाई, गहराई, नेकी, वीरता, जीत, गुढ़ापा, बुराई।

❑

5. लिंग

1. संज्ञा के जिस रूप से उसके पुरुष जाति अथवा स्त्री जाति के होने का पता चलता है, उसे लिंग कहते हैं।
2. लिंग दो प्रकार के होते हैं—पुल्लिग और स्त्रीलिंग।
उदाहरण—पुल्लिग—चाचा, देव, नौकर, मोर।
स्त्रीलिंग—चाची, देवी, नौकरानी, मोरनी।

(ख) राजा-रानी, चिड़ा—चिड़िया, कुत्ता। कुतिया
चूहा-चुहिया-मोर—मोरनी, बूढ़ा-बुढ़िया

(ग) चाचा पाठक
बैल नायक
पति विद्‌वान

(घ) देवी — नौकरानी
औरत — गुरुमाता
देवरानी — बेटी
रानी — नागिन

❑

6. वचन

(क) 1. शब्द के जिस रूप से संज्ञा या सर्वनाम के एक या एक से अधिक होने का पता चलता है, उसे वचन कहते हैं।
2. वचन के दो भेद हैं—एकवचन और बहुवचन।
उदाहरण—पत्ता-पत्ते
नदी-नदियाँ
बात-बातें

(ख) 1.

बातें	गायें
बच्चे	रुपये
पंखे	नदियाँ
आँखें	रानियाँ
चिड़ियाँ	गुड़ियाँ
तितलियाँ	चुहियाँ
पत्ते	शाखाएँ

(ग) **बुढ़िया**—मंदिर में बहुत-सी **बुढ़ियाँ** भजन कर रही थीं।
नारियाँ—रानी लक्ष्मीबाई भारत की वीर **नारी** थी।
नदी—प्रयागराज में दो **नदियाँ** बहती हैं।
ताले—विद्यालय के द्वार पर **ताला** लगा हुआ है।
चूहा—सारे **चूहे** बिल्ली के डर से छुप गए।
तितली—तितलियाँ फूलों का रस पीती हैं।
मालाएँ—राम ने तरह-तरह के फूलों से एक **माला** बनाई।

❑

7. कारक

(क) 1. वाक्य में क्रिया से संबंध रखने वाले विकारी शब्द कारक कहलाते हैं।
2. कारक चिह्नों को विभक्ति या परसर्ग भी कहते हैं।
3. कारक के आठ भेद हैं—कर्ता, कर्म, करण, संप्रदान, अपादान, संबंध, अधिकरण, संबोधन

(ख) **कर्ता कारक** ने — **अपादान कारक** से (अलग होना)
कर्म कारक को — **संबंध कारक** का, के, की, ना, ने, नी, रा, रे, री
करण कारक से, के द्वारा — **अधिकरण कारक** में, पर
संप्रदान कारक के लिए, को — **संबोधन कारक** अरे, हे, ओ!

(ग) 1. ने 2. पर 3. में 4. ने, को 5. से

(घ) 1. अधिकरण कारक 2. अपादान कारक 3. अपादान कारक 4. अधिकरण कारक

❑

8. सर्वनाम

(क) 1. जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें सर्वनाम कहते हैं।
उदाहरण—पिताजी नहा रहे हैं।
उन्हें कार्यालय जाना है।
यहाँ 'उन्हें' सर्वनाम है।

2. सर्वनाम के छः भेद हैं—
1. पुरुषवाचक सर्वनाम — 2. निश्चयवाचक सर्वनाम
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम — 4. संबंधवाचक सर्वनाम
5. प्रश्नवाचक सर्वनाम — 6. निजवाचक सर्वनाम

3. आदर या सम्मान देने के लिए 'आप' शब्द का प्रयोग करते हैं।

4. 'तू' तथा 'तुम' का प्रयोग ईश्वर या अपने से छोटों के लिए करते हैं।

(ख) 1. मैं 2. वह 3. वे 4. तुम 5. उसे

(ग) 1. वे 2. मैं 3. हम 4. यह 5. उन्होंने 6. कुछ

(घ) 1. राधा खेल रही है। वह आज स्कूल नहीं गई।
2. नमन ने सुंदर कविता सुनाई। उसे पहला पुरस्कार मिला।

❑

9. विशेषण

(क) 1. संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द **विशेषण** कहलाते हैं।

2. विशेषण जिन शब्दों की विशेषता बताते हैं, उन्हें **विशेष्य** कहते हैं।
जैसे—लाल **टमाटर**, चटपटी **चाट**।

3. विशेषण के चार भेद हैं।
1. गुणवाचक विशेषण — 2. संख्यावाचक विशेषण
3. परिमाणवाचक विशेषण — 4. सार्वनामिक विशेषण

(ख) **दुखी**—बूढ़ी औरत गरीबी की वजह से बहुत दुखी थी।
मासिक—महेश का मासिक वेतन बहुत कम है।

बुद्धिमान—मेरा मित्र बहुत ही बुद्धिमान है।
गुणी—श्री रमनलाल बहुत ही गुणी व्यक्ति थे।
सजावटी—रेखा ने घर के लिए सजावटी सामान खरीदा।
पढ़ाकू—राहुल एक पढ़ाकू बालक है।

(ग)

वार्षिक	ऐसा
साहसी	मेरा
नगरीय	हमारा
दैनिक	लड़ाकू
धार्मिक	सजावटी

(घ)

समय	आम
भाई	नींबू
व्यक्ति	लड़की

❑

10. क्रिया

(क) 1. जिस शब्द या शब्द-समूह से किसी कार्य के होने या करने का बोध हो, उसे क्रिया कहते हैं।
2. क्रिया के दो भेद हैं—सकर्मक क्रिया और अकर्मक क्रिया।
3. क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं।

(ख) **पढ़ना**—कल गीता की परीक्षा है, इसलिए वह पढ़ रही है।
उगना—किसान ने खेत में गन्ने उगा दिए।
हँसना—सभी बच्चे चुटकुला सुनकर हँस रहे थे।

(ग) 1. पकता है। 2. हँसती है। 3. नहाता है। 4. बना दो।

❑

11. काल

(क) 1. क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने या करने का पता चलता है, उसे काल कहते हैं।
2. काल के तीन भेद हैं—
1. भूत काल 2. वर्तमान काल 3. भविष्यत् काल

(ख) 1. वर्तमान काल 2. भूत काल 3. भविष्यत् काल 4. वर्तमान काल 5. भूतकाल

❑

12. अविकारी शब्द : क्रिया-विशेषण

(क) क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द क्रिया विशेषण कहलाते हैं।

(ख) **प्रतिदिन**—राहुल प्रतिदिन मंदिर जाता है।
अचानक—निशांत को अचानक चक्कर आ गया।
अधिक—विकास ने बहुत अधिक खाना खाया।
अंदर—लड़का घर के अंदर सो रहा है।
ऊपर—बंदर पेड़ के ऊपर से कूद गया।
धीरे-धीरे—कछुआ बहुत धीरे-धीरे चल रहा था।
थोड़ा-थोड़ा—थोड़ा खाया करो।

(ग) 1. अंदर 2. कम 3. तेज 4. धीरे-धीरे 5. बाहर 6. ऊपर 7. अधिक

(घ) 1. यहाँ 2. बाएँ 3. धीरे-धीरे 4. कल

❑

13. संबंधबोधक अव्यय

(क) संज्ञा अथवा सर्वनाम का संबंध वाक्य के दूसरे शब्दों से जोड़ने वाले शब्द संबंधबोधक अव्यय कहलाते हैं।

(ख) गाड़ी **के पीछे** कुत्ता दौड़ रहा है।
मेरे स्कूल **के सामने** एक अस्पताल है।
मैं माताजी **के साथ** दिल्ली गया था।
सत्संग **के पश्चात्** प्रसाद बाँटा गया।
उमेश **के अतिरिक्त** सभी ने परीक्षा दी।

(ग) 1. के बिना 2. के अंदर 3. के पश्चात् 4. के ऊपर 5. के भीतर

(घ) 1. के अंदर 2. के पीछे 3. के नीचे 4. के ऊपर 5. के साथ

❑

14. समुच्चयबोधक अव्यय

(क) दो शब्दों, वाक्यांशों अथवा वाक्यों को मिलाने वाले शब्द समुच्चयबोधक अव्यय/योजक कहलाते हैं।

(ख) **और**—राहुल **और** निशांत स्कूल से घर आ गए।
तथा—मेरे लिए दूध **तथा** केले लाओ।
तो—वर्षा होगी **तो** फसल बोएँगे।
परंतु—उससे बहुत पूछा **परंतु** उसने उत्तर नहीं दिया।

यदि—**यदि** वह गाना गाता, तो उसे पुरस्कार मिलता।
ताकि—फौजी रात को जागते हैं **ताकि** वे हमारी सुरक्षा कर सकें।
(ग) 1. और 2. परंतु 3. तथा 4. तो 5. कि 6. इसलिए 7. ताकि

❑

15. विस्मयादिबोधक अव्यय

(क) जिन शब्दों से प्रसन्नता, शोक, घृणा, भय, आश्चर्य, लज्जा आदि मन के भाव प्रकट होते हैं, उन्हें विस्मयादिबोधक अव्यय कहते हैं।
(ख) **हाय!**—हाय! आज तो बहुत गर्मी है।
शाबाश!—शाबाश! तुमने परीक्षा पास कर ली।
अरे!—अरे! तुम कब आए?
छि:!—छि:! यहाँ कितनी गंदगी है।
वाह!—वाह! तुमने तो कमाल कर दिया।
हे भगवान!—हे भगवान! मुझे राह दिखाओ।
(ग) 1. अरे! 2. वाह! 3. छि:! 4. शाबाश! 5. बाप रे!
(घ) 1. शाबाश! 2. हाय! 3. सावधान! 4. भगवान!

❑

16. वाक्य

(क) 1.संपूर्ण बात का ज्ञान कराने वाला सार्थक शब्द-समूह वाक्य कहलाता है।
2. वाक्य के दो अंग हैं—उद्देश्य तथा विधेय।

(ख)

उद्देश्य	**विधेय**
1. बच्ची	दूध पी रही है।
2. रजनी	ने खाना खाया।
3. माली	पौधे लगा रहा है।
4. मैं	स्कूल नहीं जा रहा हूँ।
5. अनिल	पढ़ रहा है।

❑

17. पर्यायवाची तथा विपरीतार्थक शब्द

(क) **फूल**—पुष्प, सुमन, कुसुम
आँख—नयन, लोचन, नेत्र
हाथी—गज, हस्ती, दंती
शेर—सिंह, केसरी, वनराज

(ख) सजीव—निर्जीव
पाप—पुण्य
एक—अनेक

उचित—अनुचित
उदार—अनुदार
कम—ज्यादा

❑

18. मुहावरे

अंधे की लकडी—एकमात्र सहारा
अक्ल चकराना—कुछ समझ में न आना
आँखें दिखाना—डराना/धमकाना
आँखें खुलना—होश आना
कान भरना—चुगली करना
छक्के छुड़ाना—बुरी तरह हराना
फूला न समाना—बहुत खुश होना
पौ फटना—दिन निकलना

❑

19. पत्र-लेखन

विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

20. कहानी लेखन

विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

21. निबंध-लेखन

विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

सेमेस्टर-1 अर्द्धवार्षिक परीक्षा प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र

1. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (i) (घ) (iii) (ङ) (iv)
2. (क) कीचड़ (ख) धुला (ग) जानता (घ) धरोहर (ङ) डुबकियाँ
3. (क) (iv) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (iii)
4. (क) गाँव में जगह-जगह कीचड़ और गंदगी के कारण गाँव के बच्चे दुखी थे।
   (ख) बच्चों की माँ स्वयं को और अपने बच्चों को डूबता देख 'बचाओ, बचाओ' चिल्लाने लगी।
   (ग) न्यायाधीश ने शोभा की धरोहर के विषय में यह फैसला सुनाया कि महिला के पेड़ की टहनी लेकर वापस आने से पहले उसकी धरोहर सेठ को न्यायालय में लानी होगी, नहीं तो कठोर दंड दिया जाएगा।
   (घ) राखी के त्योहार पर बहनें सज-धजकर, थाली सजाकर उसमें मिठाइयाँ लेकर भाई को राखी बाँधती हैं।

(ङ) मुगल गार्डन दिल्ली का एक पर्यटन स्थल है, जो राष्ट्रपति भवन में स्थित है।

5. (क) निर्भय-सभय (ख) पराजय-जय
   (ग) गरीब-अमीर (घ) बेईमान-ईमानदार
   (ङ) पुराना-नया (च) दुख-सुख
   (छ) प्रात:-रात्रि (ज) नकद-उधार
6. (क) ज्योती-ज्योति (ख) म्रित्यु-मृत्यु
   (ग) पुँजी-पूँजी (घ) निरास-निराश
   (ङ) वीपत्ति-विपत्ति (च) खलीहान-खलिहान
7. (क) अंत:स्थ व्यंजन—य र ल व (ख) ऊष्म व्यंजन—श ष स ह
   (ग) अयोगवाह—अं अ: (घ) संयुक्त व्यंजन—क्ष त्र ज्ञ श्र
8. (क) कान (ख) खतमल (ग) सरल
9. (क) बैल (ख) विद्वान
10. (क) प्रयागराज में दो नदियाँ बहती हैं।
    (ख) तितलियाँ एक फूल से दूसरे फूल पर बैठ रही हैं।

सेमेस्टर-2 वार्षिक परीक्षा प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र

1. (क) (ii) (ख) (iv) (ग) (iv) (घ) (ii) (ङ) (ii)
2. (क) अमूल्य (ख) जंगल (ग) माँ (घ) सादा (ङ) हैरान
3. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✓
4. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (i) (घ) (v) (ङ) (ii)
5. (क) संन्यासी के वेश में बिल्ली आई।
   (ख) मौसी ने चूहे का भोग लगाया।
   (ग) तेंदुआ लोगों द्वारा लाठियों से मार-पीटकर भगाया गया।
   (घ) बाजार की चाट-पकौड़ी इसलिए नहीं खानी चाहिए, क्योंकि इन्हें तैयार करने में साफ-सफाई का बिल्कुल ध्यान नहीं दिया जाता है। इन्हें खाना बीमारी को दावत देना है।
   (ङ) देवेश ने सेठजी से सोमवार, मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार को छोड़कर किसी भी दिन आने को कहा था।
6. (क) भारी (ख) झूठा
   (ग) बीमार (घ) धीरे
   (ङ) अंधकार (च) अपना
7. (क) भूतकाल (ख) भूतकाल
8. (क) धीरे-धीरे (ख) कल
9. (क) दीवार के पीछे कोई खड़ा है।
   (ख) बच्चा अपनी माँ के साथ बाजार गया।
10. उद्देश्य विधेय
    (क) बच्ची दूध पी रही है।
    (ख) अनिल पढ़ रहा है।